

ए.आई.सी.सी. डैलीगेट्स निराश रहे कि पार्टी के “रिवाइवल” के लिये कोई ठोस कार्यक्रम प्रस्तुत नहीं हुआ

डैलीगेट्स को शिकायत रही कि कई राज्यों में संगठन मृत प्रायः है, ब्लॉक स्तर से ऊपर तक पदाधिकारी नियुक्त नहीं किये गये हैं तथा विधानसभा व लोकसभा के चुनाव भी हो गये, पर, संगठन में पद खाली के खाली हैं

—रेणु मित्तल—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 11 अप्रैल।
एआईसीसी का अहमदाबाद अधिवेशन एक ऐसे संगीन और निर्णायक समय पर आयोजित हुआ है, जब कांग्रेस को आगामी समय में अनेक विवेचनात्मक एवं संकटपूर्ण मुद्दों पर अपने विचारों और स्थितियों को धार तेज करनी पड़ेगी।

पार्टी के बहुत से नेताओं और कार्यकर्ताओं को इससे निराशा हुई है कि कांग्रेस पार्टी ने संगठन में नये प्राण फूँकने की आवश्यकता पर न तो कोई विशेष जोर ही दिया गया और न गहन चर्चा की। अधिवेशन में एकत्र हुये प्रतिनिधिगण चाहते थे कि संगठन पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाये, पूरा फोकस किया जाये। विभिन्न राज्यों के एआईसीसी सदस्यों ने साफ तौर पर स्वीकार किया कि उनके राज्यों में, संगठन मृतप्राय स्थिति में है, ब्लॉक स्तर से ऊपर के पदाधिकारियों को नियुक्तियों

- डैलीगेट्स को यह शिकायत है कि संगठन के सारे निर्णय केवल एक समूह ले रहा है, जो राहुल गांधी के नज़दीक होने का दावा करता है। इस समूह का नेतृत्व, के.सी. वेणुगोपाल कर रहे हैं।
- उदाहरण के लिये, पंजाब के प्रभारी आलोक शर्मा ने हाईकमान के समक्ष जानकारी प्रस्तुत की कि पंजाब के प्रदेशाध्यक्ष राजा वडिंग सक्रिय नहीं हैं तथा पंजाब की पूर्ण इकाई उनके खिलाफ है।
- पर, जैसे ही ए.आई.सी.सी. के सत्र के बाद, राहुल गांधी रणथम्भौर के लिये प्रस्थान कर गये, आलोक शर्मा को पंजाब के प्रभारी के पद से हटा दिया गया।
- ऐसा कहा जा रहा है कि यह निर्णय के.सी. वेणुगोपाल व मल्लिकार्जुन खड़गे की पहल पर लिया गया है तथा राहुल गांधी को पूरा व अंधा विश्वास है, वेणुगोपाल पर।

नहीं हुई हैं तथा पार्टी पदाधिकारियों की नियुक्ति के बिना ही, पार्टी ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़े हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे संगठन को पुनर्व्यवस्थित करने तथा उसमें नई जान डालने की आवश्यकता पर बोले थे, और यही एकमात्र बिन्दु था, जिसने वहाँ एकत्रित प्रतिनिधियों में एक नई ऊर्जा

और नवीन उत्साह का संचार किया था। लेकिन राहुल गांधी का भाषण बहुत से प्रतिनिधियों के लिये निराशाजनक सिद्ध हुआ। राहुल की सोच पर सवार जातिगत जनगणना का अतिरेक, तथा नरेन्द्र मोदी, अडानी और अम्बानी पर राहुल के प्रहार एवं तेवर, राहुल के भाषणों में

अनेक बार सुने- देखे जा चुके हैं। लेकिन जिला अध्यक्षों को सशक्त करने तथा उन्हें और ज्यादा अधिकार देने के अलावा, संगठन के बारे में उनके भाषण में और कुछ खास नहीं था। अनेक प्रतिनिधियों का कहना था कि संगठन को पुनर्व्यवस्थित करने तथा (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘सेवारत शिक्षकों को भी एलएलबी परीक्षा में शामिल करें’

जयपुर, 11 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने विभाग की अनुमति लेकर एलएलबी पाठ्यक्रम में शामिल हुए शिक्षकों को 16 अप्रैल से आरंभ हो रही एलएलबी परीक्षा में शामिल करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही अदालत ने गोविंद गुरु ट्राइबल विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा के वीसी और परीक्षा नियंत्रक से जवाब तलब किया है। जस्टिस दिनेश मेहता की एकलपीठ ने यह आदेश जगदीश चन्द्र व्यास व अन्य को ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता सुनील हाई कोर्ट ने गोविन्द गुरु विश्वविद्यालय बांसवाड़ा को निर्देश दिये।

कुमार सिंगोदिया ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता राजकीय विद्यालयों में शिक्षक पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने विभाग के विभिन्न परिपत्रों और आदेशों के अनुसार गोविंद गुरु ट्राइबल विश्वविद्यालय से एलएलबी करने के लिए शिक्षा विभाग में आवेदन कर अनुमति मांगी। विभाग ने याचिकाकर्ताओं को सांध्यकालीन कक्षाओं की अनुमति देते हुए एलएलबी पाठ्यक्रम करने की छूट दे दी। इसके चलते याचिकाकर्ता ने अपनी ड्यूटी के बाद कक्षाओं में शामिल होकर एलएलबी की पढ़ाई की और उनकी कक्षा में उपस्थिति भी पूर्ण रही। वहीं गत वर्ष उन्होंने एलएलबी प्रथम वर्ष की परीक्षा भी पास कर ली है। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘राणा का “एक्स्ट्राडिशन” भाजपा की चाल है अपनी सरकार की कमियों से ध्यान हटाने के लिये’

कन्हैया कुमार की इस टिप्पणी पर महाराष्ट्र में कांग्रेस के गठबंधन के साथी शिव सेना (यूबीटी) ने भारी आपत्ति जताई

—श्रीनंद झा—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 11 अप्रैल। मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहखुर राणा के प्रत्यर्पण (एक्स्ट्राडिशन) ने महाराष्ट्र का राजनीतिक संतुलन बिगाड़ दिया है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार की इन टिप्पणियों पर आपत्ति जताई है कि राणा का प्रत्यर्पण भाजपा की चाल है, सरकार की असफलताओं से ध्यान हटाने की।

एन.सी.पी. के साथ-साथ शिवसेना यूबीटी और कांग्रेस पार्टी महाराष्ट्र में गठबंधन सहयोगी हैं। कुमार की टिप्पणियों को “दुर्भाग्यपूर्ण और निराशाजनक” बताते हुए चतुर्वेदी ने राणा के प्रत्यर्पण को एक बहुत बड़ी उपलब्धि बताया और कहा कि कन्हैया कुमार को “ध्यान देना चाहिए कि वे क्या बोल रहे हैं।” चतुर्वेदी ने कहा कि तहखुर राणा को तो मुंबई के प्रमुख चौराहे पर फांसी पर लटकना देना चाहिए। जिससे आतंकवादियों को संदेश मिले।” उन्होंने आगे कहा, वे उम्मीद करती हैं कि भारत सरकार अब डेविड कोलमैन हैडली के प्रत्यर्पण की मांग भी करेगी। एक वक्तव्य में, चतुर्वेदी ने कहा, “राणा को वापसी प्राथमिकता

शिव सेना (यूबीटी) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि कन्हैया कुमार को ध्यान रखना चाहिए कि वे क्या कह रहे हैं। चतुर्वेदी के अनुसार, राणा का प्रत्यर्पण (एक्स्ट्राडिशन) एक स्वागत योग्य व प्रशंसायोग्य घटना है तथा राणा को मुंबई के प्रमुख चौराहे पर सूली पर लटकना चाहिये, आतंकवादियों को संदेश देने के लिए। प्रियंका चतुर्वेदी ने आशा भी व्यक्त की कि भारत सरकार डेविड कोलमैन हैडली को भी “एक्स्ट्राडिट” कराकर भारत लायेगी।

शिव सेना (यूबीटी) के प्रवक्ता, संजय राउत ने भी इस लय में टिप्पणी की, पर, यह जरूर जोड़ा कि भाजपा बिहार चुनाव से पूर्व राणा को फांसी देकर राजनीतिक लाभ लेना चाहेगी।

कांग्रेस जरूर यह दावा कर रही है कि मनमोहन सिंह की सरकार के डेढ़ दशक की इंटेलिजेंस व कानूनी माशवकत का नतीजा है कि राणा को भारत सरकार, भारत ला सकी तथा राणा के “एक्स्ट्राडिशन” में भाजपा सरकार की कोई भूमिका नहीं है और न ही प्रत्यर्पण भाजपा सरकार के श्रम का फल है।

राउत ने अधिक सूक्ष्म रूप अपनाया। उन्होंने कहा, वर्ष के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों से पहले शिव सेना-यूबीटी प्रवक्ता संजय (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष अन्नामलाई की इस्तीफे की खबर पाने के बाद ही अन्नाद्रमुक नेता प्रैस कॉन्फ्रेंस के लिये रवाना हुए

अमित शाह व अन्नाद्रमुक के पूर्व मु.मंत्री पलानीस्वामी ने प्रैस कॉन्फ्रेंस में दोनों पार्टियों के गठबंधन की घोषणा की

—लक्ष्मण वैकट कुची—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 11 अप्रैल। जैसा कि पिछली रिपोर्टों में संकेत दिया जाता रहा है, भारतीय जनता पार्टी और ऑल इंडिया ट्राइबल मुनेत्र कडगम, राज्य सरकार से “भ्रष्ट द्रमुक” को बाहर करने के लिये, में फिर से गठबंधन हो गया है। अन्नाद्रमुक अध्यक्ष तथा पूर्व मुख्यमंत्री इडापत्तली पलानीस्वामी की उपस्थिति में खास तौर से बुलाई गई प्रैस कॉन्फ्रेंस में गठजोड़ की घोषणा करते हुये, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह एक स्थायी तथा ऐसा गठबंधन है, जो भ्रष्ट द्रमुक को राज्य की सत्ता से बाहर कर देगा।

- अमित शाह ने एलान किया कि यह गठबंधन स्थायी होगा तथा पलानीस्वामी इस गठबंधन के मुखिया होंगे।
- अमित शाह ने भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अन्नामलाई की भूरी-भूरी प्रशंसा की और विश्वास दिलाया कि पार्टी अन्नामलाई की प्रतिभा व अनुभव का राष्ट्रीय स्तर पर उपयोग करेगी।

अन्नामलाई तमिलनाडु भाजपा इकाई के अध्यक्ष पद से हट गये हैं। गठबंधन की घोषणा के समय, राज्य भाजपा इकाई के नये तथा तेरहवें अध्यक्ष के रूप में नागेंद्रन नैनार का “चुनाव” कर्मोवेश अंतिम रूप ले चुका था, क्योंकि वे राज्य भाजपा इकाई के अध्यक्ष पद के लिये नामांकन पत्र दाखिल करने वाले एकमात्र उम्मीदवार थे। वे अन्नाद्रमुक सरकार में मंत्री रह चुके हैं तथा इस समय राज्य विधानसभा में भाजपा दल के नेता हैं।

अन्नाद्रमुक सूत्रों के अनुसार, पार्टी अध्यक्ष इडापत्तली पलानीस्वामी ने प्रैस कॉन्फ्रेंस स्थल तभी सुनिश्चित किया, जब यह स्पष्ट हो गया कि अब भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष कोई नया व्यक्ति होगा। अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों के लिये भाजपा के साथ गठजोड़ (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

निवारण को दस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने अभियुक्त पर दस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी आशुतोष कुमावत ने अपने आदेश में कहा कि आज के युग में कई क्षेत्रों में लड़कियां, लड़कों की तुलना में अच्छा (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आत्महत्या के लिए उकसाने वाले पति को दस साल की सजा

जयपुर, 11 अप्रैल। महिला उल्कीडन मामलों की विशेष अदालत, महानगर द्वितीय ने दो बेटियों को जन्म देने के कारण पत्नी को प्रताड़ित करने तथा उसे अपनी चार साल की बेटि की हत्या कर स्वयं आत्महत्या करने के लिए उकसाने वाले अभियुक्त पति मुकेश

- दो बार पुत्रियों के जन्म के बाद अभियुक्त ने अपनी पत्नी को इतना प्रताड़ित किया कि उसने 4 साल की बेटि के साथ आत्महत्या कर ली।

राहुल गांधी को दूसरे दिन भी टाइगर दिखा राणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान के प्रवेश द्वार पर उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ता के साथ फोटो खिंचवाई

सवाईमाधोपुर, 11 अप्रैल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी सवाईमाधोपुर की यात्रा पर हैं। उन्होंने शुक्रवार को भी सुबह की पारी में विश्व प्रसिद्ध राणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान का भ्रमण किया और बाघ बाधिन की अठखेलियों का आनंद लिया। उन्होंने राणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान के प्रवेश द्वार पर कांग्रेस कार्यकर्ता छुटन मीणा के साथ फोटो भी खिंचवाई। मीणा सवाईमाधोपुर गणेशधाम पर राणथम्भौर के टी शर्ट, कैप व हैंडीक्रॉफ्ट बेचते हैं। शुक्रवार को सुबह राहुल गांधी राणथम्भौर के ज़ोन 2 व ज़ोन 3 में टाइगर सफारी के लिए गए। ज़ोन 2 में बाधिन रिद्धी अपने शावकों के साथ नजर आईं। ज़ोन 3 में बाधिन टी 84 एरोहेड अपने शावकों के साथ अठखेलियां करती हुई नजर आईं।



कांग्रेस नेता राहुल गांधी इन दिनों निजी यात्रा पर राणथम्भौर में हैं। शुक्रवार सुबह उन्होंने टाइगर सफारी का लुत्फ लिया। गुरुवार को भी उन्हें टाइगर की अठखेलियां दिखाई दीं, जिसकी उन्होंने खूब तस्वीरें लीं।

एरोहेड शावकों के साथ अठखेलिया करती हुई दिखाई। इसी दौरान शिवराज एनीकट वन में उन्हें एक बाधिन शावकों के साथ शिकार करती हुई नजर आईं। राहुल ने इसकी तस्वीरें लीं। राहुल गांधी की इस यात्रा को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। पार्क में उनके भ्रमण के दौरान सुरक्षा के चाक- (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पुलिस ने लाठी चार्ज व “वॉटर कैनन का उपयोग किया, कांग्रेस के प्रदर्शन पर

—डॉ. सतीश मिश्रा—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 11 अप्रैल। बिहार पुलिस ने पटना में मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च कर रहे कांग्रेसियों को रोकने के लिए उन पर लाठीचार्ज किया और वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प भी हुई। इस घटना ने कांग्रेस, जो अपने संगठन को फिर से खड़ा करने की कोशिश में जुटी है, को एक मुद्दा थमा दिया है।

कन्हैया कुमार को भी हिरासत में लिया, प्रदर्शन को मु.मंत्री नीतीश कुमार के निवास तक पहुँचने से रोकने के लिये

कांग्रेस के नेता कन्हैया कुमार व एनएसयूआई के अन्य नेताओं को प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार किया गया। कन्हैया कुमार, जो एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी भी हैं, हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ “पलायन रोको नौकरी दो” यात्रा निकाली यात्रा 16 मार्च को शुरू हुई थी और विभिन्न जिलों में होते हुए गुरुवार को पटना पहुंची। उन्होंने मुख्यमंत्री से मिलने का समय

- 16 मार्च से कन्हैया कुमार, कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पदयात्रा का नेतृत्व करते हुए गत बृहस्पतिवार को पटना पहुंचे थे।
- उनकी पदयात्रा का नारा था, “पलायन रोको, नौकरी दो।” पटना पहुंचकर पदयात्रा के दौरान जनता से मिले संदेशों को मु.मंत्री तक पहुंचाने के लिये वो मु.मंत्री निवास जा रहे थे।
- सचिन पायलट ने कन्हैया कुमार के प्रदर्शन को मु.मंत्री निवास के लिये रवाना होने से पूर्व संबोधित किया और कहा, “बिहार के युवाओं का बिहार सरकार के ऊपर से विश्वास उठ गया है तथा अब यह युवा तैयार हैं, बिहार सरकार को उचित जवाब देने के लिये।”

उत्साह बढ़ाने के लिए कन्हैया कुमार “हम होंगे कामयाब—” गीत गाते हुए दिख रहे हैं। कन्हैया ने कहा, “जहाँ भी हम

रहेंगे न्याय के लिए आवाज उठाएंगे चाहे सड़क पर हो, घर में हो या जेल में हो। अब सिर्फ दो ही संभावनाएँ हैं या तो हमें मुख्यमंत्री से मिलने दिया जाए ताकि

हमें उन्हें अपनी मांगें बता सकें या फिर हमें जेल भेज दिया जाए। जेल में भी हम अपनी आवाज उठाएंगे और मांगें बताएंगे।”

AYURVEDIC
KAYAM[®]
CHURNA

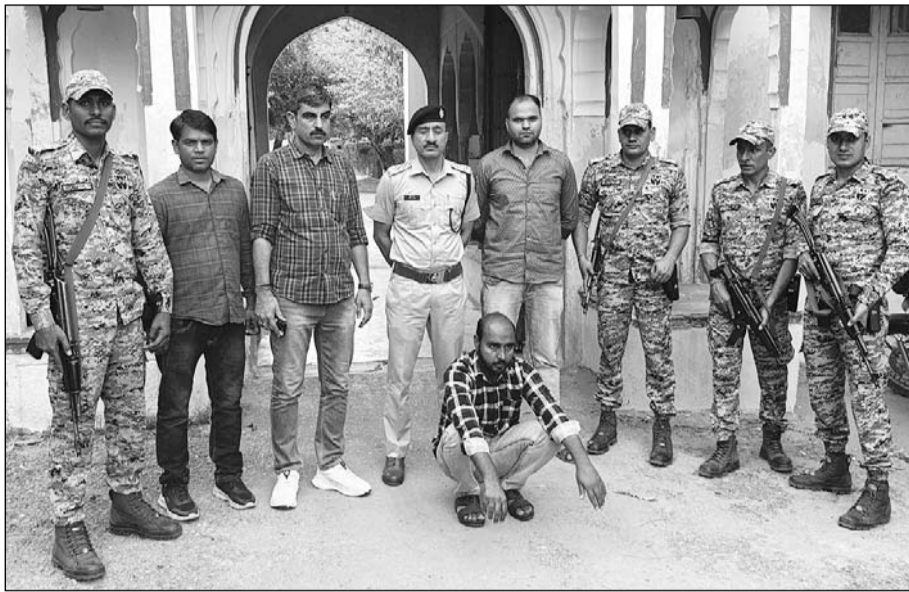
कायम चूर्ण
कायम टैबलेट
कायम ग्रैन्यूल्स

भावनगर वाले सेठ ब्रदर्स का उत्पादन
UIN:GUJARAT/0003/2025

दुबई में गैंगस्टर्स को शरण देने वाला मास्टर माइंड इलियास खान जयपुर में गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता- जयपुर। राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने लॉरेन्स बिशनोई और रोहित गोदारा गैंग के दुबई स्थित नेटवर्क को बड़ा झटका देते हुए उनके मास्टरमाइंड सहयोगी इलियास खान को जयपुर में गिरफ्तार किया है। इलियास लंबे समय से दुबई

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक दिनेश एमएन ने बताया कि इलियास खान वार्ड नंबर 36, थाना रामगढ़, सीकर में 2014 से दुबई में रह रहा था। वह दुबई पुलिस में स्टेर कोपर के रूप में कार्यरत था और अपने पहचान पत्र का दुरुपयोग कर गैंग के सदस्यों को शरण देता था। दुबई में भी फर्जी आईडी



राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने लॉरेन्स बिशनोई और रोहित गोदारा गैंग के मास्टरमाइंड सहयोगी इलियास खान को जयपुर में गिरफ्तार किया है।

के सदस्यों को शरण देने, उनके लिए सुरक्षित ठिकानों की व्यवस्था करने और हवाला के माध्यम से धन प्रेषण में भी उसके खिलाफ दहेज उन्नीड़न का मामला दर्ज है, जिसमें वह जेल जा चुका है। गैंग से संबंध इलियास खान ने दुबई में लॉरेन्स बिशनोई और रोहित गोदारा गैंग

के सदस्यों और उनके नेटवर्क के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सके। इस गिरफ्तारी से राजस्थान में संगठित अपराध के खिलाफ चल रही कार्रवाई को बड़ी सफलता मिली है।

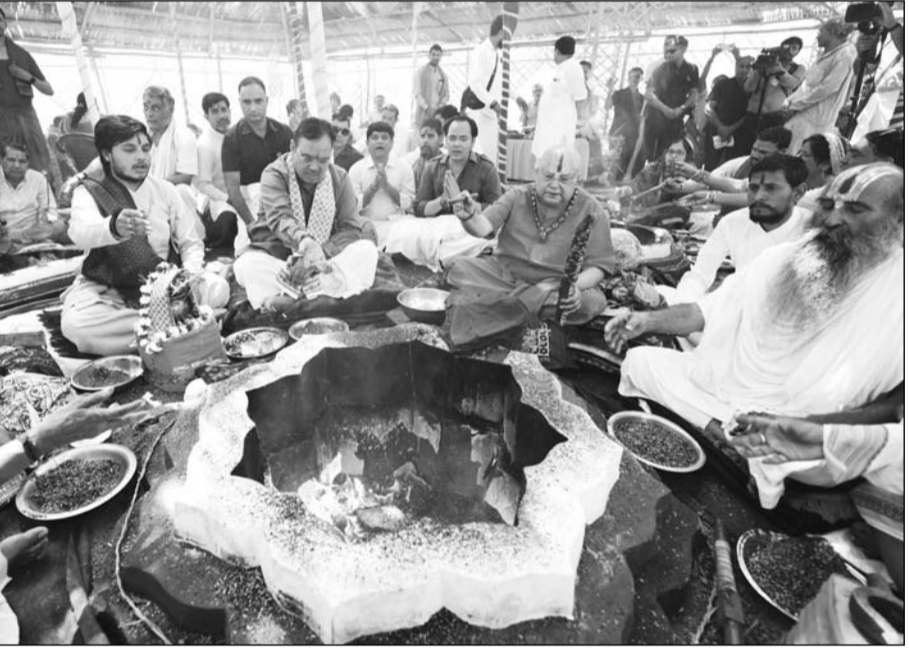
- लॉरेन्स बिशनोई और रोहित गोदारा गैंग के दुबई स्थित नेटवर्क जयपुर पुलिस का शिकंजा
- इलियास ने ही रोहित गोदारा, वीरेन्द्र चारण और महेन्द्र सारण जैसे गैंगस्टर्स को दुबई में ठिकाने उपलब्ध करवाए थे

में रहकर इन गैंगस्टर्स को पनाह देने, हवाला के माध्यम से धन पहुंचाने और उनके लिए सुरक्षित ठिकानों की व्यवस्था करने में सक्रिय था। एंटी गैंग टास्क फोर्स के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक दिनेश एमएन के निर्देशन में डीआईजी योगेश यादव और एएसपी सिद्धांत शर्मा के नेतृत्व में एक विशेष टीम ने रामगढ़ सेठान, फतेहपुर सीकर में छापेमारी कर इलियास को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में स्थानीय पुलिस और डीएसटी टीम का भी सहयोग रहा।

के उपयोग के मामले में वह गिरफ्तार हो चुका है और जेल की सजा काट चुका है। उसने रोहित गोदारा, वीरेन्द्र चारण और महेन्द्र सारण जैसे गैंगस्टर्स को दुबई में ठिकाने उपलब्ध करवाए थे। हवाला के माध्यम से गैंग के लिए धन प्रेषण करता था और गैंग के सदस्यों को इमिग्रेशन संबंधी सुचनाएं प्रदान करता था। भारत में भी उसके खिलाफ दहेज उन्नीड़न का मामला दर्ज है, जिसमें वह जेल जा चुका है। गैंग से संबंध इलियास खान ने दुबई में लॉरेन्स बिशनोई और रोहित गोदारा गैंग

ऋषि-मुनि कर रहे सनातन संस्कृति और परंपरा के संरक्षण का काम : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को न्यू सांगानेर रोड स्थित श्री चिंताहरण काले हनुमानजी मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने एकादश कुंडात्मक सात दिवसीय श्री हनुमत महायज्ञ में शामिल



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को न्यू सांगानेर रोड स्थित श्री चिंताहरण काले हनुमानजी मंदिर में एकादश कुंडात्मक श्री हनुमत महायज्ञ में आहुति दी तथा प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

- 'ऐसे आयोजनों से हमारी आने वाली पीढ़ी को सांस्कृतिक कार्य करने की प्रेरणा मिलती है'

होकर आहुति दी तथा प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। शर्मा ने कहा कि हमारा देश हमेशा से ऋषि-मुनियों का ऋणी रहा है। ऋषि-मुनियों ने हमारी संस्कृति और परम्परा की रक्षा का काम किया है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से हमारी आने वाली पीढ़ी को भी सांस्कृतिक कार्यों को करने की प्रेरणा मिलती है तथा परम्पराएं समृद्ध होती हैं।

इस दौरान महागण्डलेश्वर मनोहर दास महाराज, त्रिवेणी धाम के राम रिंछपाल दास महाराज सहित बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

खिलाफ बाल न्यायालय में मामला लंबित है। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मातादीन शर्मा ने बताया कि घटना को लेकर पीड़िता के पिता ने 4 दिसंबर, 2022 को हरमाड़ा थाना पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि वह परिवार सहित अपने ससुर के घर रहता है। सुबह वह अपनी पत्नी और बेटे को दवा दिलाते अस्पताल लेकर गया था। दोपहर

को जब वापस लौटा तो उसकी नाबालिग बेटी घर पर नहीं थी। इस पर पीड़िता के नाना ने बताया कि वह 12.30 बजे पढ़ाई का सामान लेने के लिए रोजदा बस स्टैंड गई है। काफी देर तलाश करने के बाद भी पीड़िता नहीं मिली। इस दौरान उसने पीड़िता के नाना का मोबाइल चेक किया तो पता चला कि नाबालिग सह आरोपी का फोन आया था। ऐसे में उसे शक है कि वह उसे बहला फुसला कर ले गया है।

वाणिज्यिक न्यायालय ने बताया शराब खरीद घोटाला सी.ए.जी और सी.बी.आई. जांच की सिफारिश

जयपुर। वाणिज्यिक न्यायालय, द्वितीय ने राजस्थान स्टेट बेवरेजेज कारपोरेशन लिमिटेड और यूनास्टेट फिसदी से 696 फीसदी तक भारी माजिन वसूला गया। आरएसबीसीएल, आवकारी विभाग और वित्त विभाग ने इसका पूरा बोझ भी आम जनता पर डाल दिया। शराब की कीमत में कस्टम ड्यूटी, लाइसेंस

और सीबीआई से जांच कराने को कहा है। न्यायालय ने कहा कि वर्ष 2019-20 की लागत के अनुसार 205 फीसदी से 696 फीसदी तक भारी माजिन वसूला गया। आरएसबीसीएल, आवकारी विभाग और वित्त विभाग ने इसका पूरा बोझ भी आम जनता पर डाल दिया। शराब की कीमत में कस्टम ड्यूटी, लाइसेंस

भाजपा कार्यकर्ता, कांग्रेस के भ्रम जाल को नेस्तानाबूत करें : मदन राठौड़

जयपुर। भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर जन्म जयंती सम्मान अभियान की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने डॉ अंबेडकर को दूरदृष्टता बताते हुए कहा कि बाबा साहब ने देश को नहीं दिखा दी, जिसके कारण हमारे संविधान में लोकतांत्रिक मूल्यों और भारतीय विचार के अनुकूल सर्वे भंवत सुविधे के भावों का समावेश हो पाया है। कांग्रेस और वामपंथियों ने बाबा साहब का ना तो जीवन पर्यन्त सम्मान किया, ना ही उनके देहावसान के बाद उन्हें सम्मानित किया। केवल दलित वोट बैंक के लिए उनके नाम को जपते रहे। बाबा साहब के प्रति नेहरू के मन में थोड़ा सा भी सम्मान होता तो संसद में उन्हें निर्विरोध निर्वाचित करवाते, ना कि हराने के लिए षडयंत्र रचते।



भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर जन्म जयंती सम्मान अभियान की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि गांधी नेहरू परिवार की ये चार पीढ़ियां अगर बाबा साहब का सम्मान करतीं तो उनको भारत रत्न देने में देरी ही करतीं। राठौड़ ने कहा कि भाजपा ही है जिसके नेतृत्व में और संगठन के कार्यकर्ताओं में डॉ अंबेडकर के प्रति सम्मान का भाव है। यहीं कारण है कि संसद में पहली बार बाबा साहब का चित्र अटलजी के प्रयासों से लगाता है तो भारत रत्न भाजपा समर्थित सरकार के कार्यकाल में मिलता है। वहीं उनसे जुड़े हुए पंचतीर्थों

का विकास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में किया गया। राठौड़ ने कहा कि हमें सजग रहने की जरूरत है और ये संकल्प करना होगा कि हम सभी मिलकर कांग्रेस के भ्रम जाल को नेस्तानाबूत करेंगे, समाज में सामाजिक समरसता के भाव से

समाज को एक अभेद्य दुर्ग बनाएंगे, जिसे कोई भ्रम, झूठ या मिथ्या ना तोड़ पाए। कार्यशाला के मुख्य वक्ता भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अभिनव प्रकाश सिंह ने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी आज कल बाबा साहब तथा संविधान की बातें करते हैं, और समाज

- 'देश के दलित वोटबैंक के लिए बाबा साहब का नाम जपती रही कांग्रेस'
- कांग्रेस ने किया बाबा साहब का अपमान, दलितों की अनदेखी और मुस्लिमों का तुष्टिकरण : अभिनव प्रकाश

ना हो, इसके लिए षडयंत्र रचे गए। अगर हिंदू महासभा के नेता एमआर जयकर त्याग पत्र देकर बाबा साहब को संविधान सभा में नहीं भेजते तो आज संविधान ही कुछ और होता। उन्होंने कहा कि गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने के कारण बाबा साहब को कांग्रेस के लोगों ने बार बार अपमानित किया। 1946 में उनकी प्रिटिंग प्रेस को जला दिया गया और अंतरिम सरकार में 20 में से 14 मंत्री ही बनाए, इनमें भी 5 मुसलमानों को शामिल किया गया था। नेहरू का मुस्लिमों से तो प्रेम था, लेकिन बाबा साहब के प्रति हिकारत भरी दृष्टि रखते थे। जिसकी चर्चा स्वयं बाबा साहब ने देश की संसद में अपने इस्तीफे का जिक्र करते हुए बताया।

संगठन जो भी कम देगा, उसमें तन-मन से जुटेंगे : राजेश गुर्जर

जयपुर। जयपुर दक्षिण देहात के जिलाध्यक्ष पद पर राजेश गुर्जर को दोबारा जिला अध्यक्ष बनाया गया है। गुर्जर का कल्या है कि संगठन ने एक बार फिर से उन पर विश्वास जताया है। जिस पर वे खराब उतरेंगे और पार्टी उन्हें जो भी काम देगी उसे तन मन से करने में जुटेंगे जिले में पार्टी को कमजोर करना ही उनका लक्ष्य है। राष्ट्रदूत संवाददाता जयराम शर्मा से राजेश गुर्जर की हुई बातचीत के मुख्य अंश।

जवाब- हमारे जिले में 6 विधानसभा क्षेत्र हैं जिसके सभी कार्यकर्ता को संगठन संरचना में जोड़ कर पुराने कार्यकर्ताओं का अनुभव और नए लोगों का सहयोग लिया। हर कार्यकर्ता को काम और हर काम को कार्यकर्ता के भाव से जोड़ने का काम किया। सवाल- संगठन के प्रदेश स्तर पर चलाए जा रहे कार्यक्रम और अभियानों के अलावा भी क्या जिले में नए कार्यक्रम चलाए जाएंगे। जवाब- सरकार और संगठन के काम के साथ साथ और भी कई कार्यक्रम किए गए हैं। सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी हिस्सा लिया गया है और सरकार द्वारा चलाई गई योजनाएं कैसे अंतिम रूप पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचें इसके लिए भी काम कर रहे हैं। सवाल- आपके क्षेत्र के विधानसभा क्षेत्रों में अधिकांशतः हर बार जनता विधायक बदल देती है, इस परिपटी को किस प्रकार बदलेंगे। जवाब- आम जनता और जनप्रतिनिधि के साथ अच्छा संवाद और समन्वय के साथ सहयोग हो सामाजिक, मुद्दों को उचित तरीके से समझ कर जनता के हित में निर्णय लिया जाए। सवाल- जनता में जनाधार बढ़ाने के लिए किस नीति पर कार्य किया जाएगा। जवाब- प्रत्येक समाज को उचित स्थान मिले हर वर्ग में हमारी पार्टी हो चाहे पंचायत राज हो या सहकारिता क्षेत्र हो या फिर डेयरी, उद्योग महिला या किसान, युवा पीढ़ी सभी को जोड़कर हमारे संगठन को सशक्त बनाया जा सकता है।



केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से भाजपा हरियाणा प्रभारी, राजस्थान के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पुनिया ने दिल्ली में आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान सतीश पुनिया ने अमित शाह से संगठनात्मक मार्गदर्शन लिया, उन्होंने कहा कि देश के ऊर्जावान युवमंत्रियों को कुशल संगठनकर्ता अमित शाह राजस्थान एवं हरियाणा के विकास को लेकर प्रतिबद्ध है।

मदन राठौड़ ने महात्मा फुले को नमन किया

जयपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय में महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती के अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने उनके चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान भाजपा प्रदेश औबीसी मोर्चा की पहल पर प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रदेश कार्यालय परिसर के बाहर प्याऊ सेवा का शुभारंभ किया। इस दौरान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष चंपालाल गेदर, महामंत्री महेंद्र सिंह पंवार, कार्यालय मंत्री रामेश्वर गुर्जर सहित मोर्चा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राठौड़ ने कहा कि महात्मा फुले ने सदैव समाज के वंचित, शोषित वर्ग के उत्थान के लिए कार्य किया। उनके विचारों से प्रेरित यह सेवा कार्य एक सच्ची श्रद्धांजलि है।

पानी की दरों में वृद्धि का भार उठाएगी राज्य सरकार : कन्हैयालाल चौधरी

जयपुर। प्रदेश में पेयजल की दरों में वृद्धि का अतिरिक्त भार जनता पर नहीं डालने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के पेयजल उपभोक्ताओं को बड़ी राहत प्रदान की है। अब पेयजल उपभोक्ताओं से वर्तमान लागू दरों पर ही पानी के बिलों एवं अन्य सेवाओं की राशि वसूल की जाएगी। राज्य सरकार द्वारा अनुदान के रूप में शेष राशि उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है इससे सरकार पर लगभग 2100 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष का अतिरिक्त भार आएगा। जलदाय मंत्री कन्हैयालाल ने बताया कि विभाग के माध्यम से आम जनता को स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। वर्ष 2017 से लागू पानी की दरों में राज्य सरकार द्वारा वृद्धि नहीं की गई है।

- 2100 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष आधा अतिरिक्त भार, उपभोक्ताओं को मिलेगी बड़ी राहत

ही है। इसके कारण जल वितरण संबंधी परिसंपत्तियों की गुणवत्ता में कमी आकर, उसके कार्यशीलता पर भी कुप्रभाव पड़ता है। जलदाय मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा पेयजल की दरों को वास्तविक लागत के आधार पर तर्कसंगत बनाने का निर्णय लिया गया है। इस कारण पानी की वर्तमान दरों को चार गुणा करने की सहमति वित्त विभाग से प्राप्त होने पर दरों में वृद्धि की जा रही है। उसके बावजूद भी राज्य की जनता पर अतिरिक्त भार नहीं डालने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा जनहित में निर्णय लिया गया है कि पेयजल उपभोक्ताओं से वर्तमान लागू दरों पर ही पानी के बिलों एवं अन्य सेवाओं की राशि वसूल की जाएगी।



जयपुर में शुक्रवार को अचानक मौसम बदला और आसमान में काले बादल छा गये व तेज हवाएं चलनी शुरू हो गईं। कुछ ही घंटों में ही अंधेरा छा गया व अंधड़ के साथ बारिश शुरू होने से तापमान में गिरावट आई। इससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। फोटो : दिनेश भारद्वाज

वाणिज्यिक न्यायालय ने बताया शराब खरीद घोटाला सी.ए.जी और सी.बी.आई. जांच की सिफारिश

जयपुर। वाणिज्यिक न्यायालय, द्वितीय ने राजस्थान स्टेट बेवरेजेज कारपोरेशन लिमिटेड और यूनास्टेट फिसदी से 696 फीसदी तक भारी माजिन वसूला गया। आरएसबीसीएल, आवकारी विभाग और वित्त विभाग ने इसका पूरा बोझ भी आम जनता पर डाल दिया। शराब की कीमत में कस्टम ड्यूटी, लाइसेंस

